मूल्यों को सन्दर्भ बाजारों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों के भीतर ही कायम रखा जा सके।

(ख) और (ग) खाद्य तेलों के मूल्यों को संतुलित बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने "धारा" नामक ब्रांड से अपने उपभोक्ता विपणन कार्य को बढ़ाया है तथा इस ब्राण्ड से मूंगफली और सरसों दोनों (शुद्ध व निस्यन्दित) को बड़ी मात्रा में बहुत ही उचित दरों पर, जोकि सभी प्रकार के ब्राण्ड वाले तेलों में सबसे सस्ता है, बेच रहा है।

वे दरें, जिन पर धारा नामक तेल बेचा जा रहा है, नीचे दी गई हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने 1 मार्च, 1990 से एक लिटर के पैक के मूल्य को स्थिर बनाए रखा है।

	रुपए / लिटर	रुपए /5 कि०ग्रा०	
मूंगफली को दो-बार निस्यन्दित तेल	27.00	गुजरात में बम्बई में	155 160
शुद्ध मूंगफली तेल	31.50		188
सरसों का शुद्ध तेल	24:50		133

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड पिछले कुछ माहों से उत्तर और पूर्व की थोक मण्डियों मे उचित दरों पर सरसों का तेल और जून, 1990 से बम्बई, गुजरात, मद्रास और बंगलौर में उचित दामों पर पामोलीन बेच रहा है।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि

696. **श्री संतोष बागड़ोदिया:**
प्रो० सौरीन्द्र भट्टाचार्य:
श्री राम जेठमलानी:
श्री महेन्द्र प्रसाद:
श्री संतोष कुमार साहू:
डा० जी० विजय मोहन रेड्डी:
श्री देवव्रत विश्वास:
श्री एन०ई० बलराम:
श्री गुरुदास दासगुप्त:
श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल:

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले छः महीनों के दौरान नमक, दालों, लोहा, सीमेंट, गेहूं, चीनी, वनस्पति, मूंगफली का तेल, सरसों का तेल, चाय, चावल और मिट्टी के तेल सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है और नवम्बर, 1989 की स्थिति की तुलना में 31 जुलाई, 1990 तक कीमतों में कितनी वृद्धि हुई तथा माह-वार कितने-कितने प्रतिशत वृद्धि हुई; और

(ग) कीमतों को कम करने और लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गए हैं या उठाये जाने का विचार है?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल): (क) पिछले छः महीनों (20.1.90 तथा 21.7.90 को समाप्त सप्ताहों के बीच) के दौरान चुनी आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में मिश्रित रुख रहा है। इस अवधि के दौरान चावल, गेहूं, चना, अरहर, चीनी, सीमेंट, मूंगफली के तेल, सरसों के तेल, वनस्पति, नमक तथा लोहे के इस्पात के थोक मूल्य सूचकांकों में वृद्धि दिखाई दी है। तथापि इस अवधि के दौरान ज्वार, लाल मिर्च, काली मिर्च, चाय, आटा, मैदा तथा चीनी के मूल्य सूचकांकों में कमी आई है और मिट्टी के तेल तथा कोयले के मूल्य सूचकांक स्थिर रहे हैं।

(ख) मूल्यों में वृद्धि के अनेक कारण हैं। मूल्य वृद्धि के मुख्य कारण 1989-90 तथा पहले के वर्षों के दौरान मुद्रा की आपूर्ति मे तीव्र वृद्धि होना, बढ़ती उपभोक्ता मांग तथा दालों व खाद्य तेलों जैसे कुछ आवश्यक मदों के मामले में मांग व आपूर्ति में अन्तर है। कुछ कृषि जन्य वस्तुओं की वसूली तथा न्यूनतम समर्थन मूल्यों में वृद्धि के अलावा पेट्रोल तथा डीजल के निर्देशित मूल्यों में वृद्धि से परिवहन की लागत में वृद्धि तथा रेल भाड़े में बढ़ोत्तरी से मूल्यों में भारी वृद्धि का रुख रहा है।

एक विवरण अनुपत्र में दिया गया है जिसमें नवम्बर, 1989 से जून, 1990 तक चावल, गेहूं, चना, अरहर, चीनी, नमक, वनस्पति, मूंगफली के तेल, सरसों के तेल, चाय, मिट्टी के तेल, लोहा व इस्पात, सीमेंट आदि के थोक मूल्य सूचकांकों में आया मास-वार उतार-चढ़ाव

दर्शाया गया है। [देखिए परिशिष्ट 153, अनुपत्र संख्या 25]

(ग) सरकार आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि के रुख को रोकने के कार्य को उच्चतम प्राथमिकता दे रही है। इस उद्देश्य से दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों उपाय किये जा रहे हैं। व्यापक वृहत आर्थिक मोर्चों पर उपाय करने जैसे मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि को कम करने के लिये प्रयास करना तथा राजकोषीय अनुशासन के अलावा सरकार द्वारा दबाव में रहने वाली कुछ खास आवश्यक वस्तुओं जैसे खादय तेलों, दालों, चाय, चीनी, तथा सीमेंट आदि के बारे में विशेष उपाय किये गये हैं।

सरकार द्वारा किए गए उपायों में मोटे तौर पर ये शामिल हैः— आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कदम उठाना, खाद्यान्नों की कारगर वसूली तथा सुरक्षित भण्डार बनाने के कार्य करना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना, मूल्यों तथा उपलब्धता की स्थिति की परिवीक्षा करना, आवश्यक वस्तु अधिनियम के उपबन्धों तथा अन्य नियामक उपायों को लागू करना तथा विदेशी मुद्रा की व्यापक अड़चनों को ध्यान में रखते हुए जहां कहीं आवश्यक हो, आयात के जरिए देशीय आपूर्ति में वृद्धि करना।

12 NOON

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, I have to inform you that the Hon. Chairman has received a letter from Maulana Asad Madni to the effect that he. is going abroad for medical treatment and is, therefore, unable to' attend the current session. He has requested for grant of leave of absence from all the sittings of the House during the current session.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Maulana Asad Madni for remaining absent from all meetings of the House during the current session?

(No hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

PAPERS LAID ON THE TABLE

I. Administration Report (1988-89) of the Delhi Development Authority and related papers.

II. Accounts (1988-89) of the Delhi Development Authority and related papers.

III. Report (1989-90) of the National Capital Region Planning Board.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN): Madam, I lay on the Table—

I. (1) A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under section 26 of the Delhi Development Act, 1957:—

(a) Annual Administration Report of the Delhi Development Authority for the year 1988-89.

(b) Statement by Government accepting the above Report.

(2) Statement (in English and Hindi) giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at 1(a) above. [Placed in Library. *See* No. LT 1160/90 for (1) and (2)]

II. (1) A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (4) of section 25 of the Delhi Development Act, 1957:—

(a) Annual Accounts of the Delhi Development Authority for the year 1988-89 and the Auditor's Report Thereon.

(b) Review by Government on the working of the Authority.